15/7

विशेषण

• संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताता है उसे विशेषण कहते हैं।

* हिन्दी में चार विकारी शब्द होते हैं।

i) संज्ञा
ii) सर्वनाम
iii) विशेषण
iv) क्रिया

* विशेष्य के तीन अंग होते हैं-

i) विशेष्य
ii) विशेषक
iii) प्रविशेषण

* विशेष्य :-
जिस शब्द की विशेषता बताई जाए उसे विशेष्य है जैसे :-
काला कुत्ता, मोटा आदमी।

* विशेषण के भेद
1) गुणवाचक
2) संख्यावाचक - निश्चित, अनिश्चित
3) सर्वनामिक
4) परिमाणवाचक - निश्चित, अनिश्चित

* गुणवाचक :-

• जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा और सर्वनाम शब्दों के गुण, दोष, रंग, रूप, आकार, संबंध स्थान आदि का पता चलता है।

उदाहरण - कमजोर आदमी
पंजाबी गीत

* संख्यावाचक :-

जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा और सर्वनाम शब्दों की संख्या की विशेषता का पता चलता है।

उदाहरण - हम दुकान ।
सैंकड़ों लोगों ।

• निश्चित :-
संज्ञा और सर्वनाम शब्दों की निश्चित संख्या बताने वाले विशेषण शब्द ।

• अनिश्चित :-
संज्ञा और सर्वनाम शब्दो की निश्चित संख्या ना बताने वाले विशेषण शब्दों ।
कुछ, और, बहुत, हरएक, प्रत्येक, कई इत्यादि ।

* सर्वनामिक :-

• जिस में पुरुषवाचक और नीच वाचक सर्वनाम के शब्द बिना (मैं, वह,तू)

परिमाण वाचक :-

परिमाण का अर्थ होता है मात्रा। जिस शब्द या जिन विशेषण शब्दों से संख्या और सर्वनाम के मात्रा का पता चलता है वहां परिमाणवाचक विशेषण होता है।

उदाहरण - दस किलो कुछ कपड़े
एक मीटर

निश्चित - तीन लीटर, पाँच किलो

अनिश्चित - कम चीनी, कुछ दूर